1. ***В  Неделю  Крестопоклонную***
2. ***Творение  Господина  Феодора  Студита***
3. **Глас    1**

*Ирмос:*  Боже́ственнейший  прообрази́  дре́вле  Моисе́й,  в  Чермне́м  мо́ри  прове́д  Изра́иля  Кресто́м  Твои́м,  во́ду  жезло́м  пресе́к,  песнь  Тебе́  исхо́дную  воспева́я,  Христе́  Бо́же.

*Припев:*  Сла́ва,  Го́споди,  Кресту́  Твоему́  Честно́му.

Торжества́  день,  воста́нием  Христо́вым,  смерть  безве́стна  показа́ся,  жи́зни  возсия́  заря́,  Ада́м  воста́в  лику́ет  ра́достию;  те́мже  воскли́кнем,  побе́дную  пою́ще.

Сла́ва,  Го́споди,  Кресту́  Твоему́  Честно́му.

Поклоне́ния  день  Честна́го  Креста́,  прииди́те  к  сему́  вси,  воста́ния  бо  Христо́ва  зари́,  светосия́яй  предлага́ет  ны́не,  того́  облобыза́им  душе́вно  ра́дующеся.

Сла́ва,  Го́споди,  Кресту́  Твоему́  Честно́му.

Яви́ся  вели́кий  Госпо́день  Кре́сте,  покажи́  ми  зрак  Боже́ственный  красоты́  Твоея́  ны́не,  досто́йно  покло́нника  хвалы́  Твоея́;  и́бо  я́ко  одушевле́нну  тебе́,  и  возглаша́ю,  и  облобыза́ю  тя.

Сла́ва,  Го́споди,  Кресту́  Твоему́  Честно́му.

Да  восхва́лят  согла́сно  не́бо  и  земля́,  я́ко  предлежи́т  всем  всеблаже́ннейший  Крест,  на  не́мже  пригвожде́н  теле́сне  пожре́ся  Христо́с.  Того́  лобыза́им  душе́вно  ра́дующеся.

Слава,  *Тро́ичен:*  О  Тро́ице  начерта́ньми!  О  Еди́нице  зра́ком!  Отче,  Сы́не,  и  Ду́ше,  единоси́льная  Еди́нице,  в  сове́те  и  хоте́нии,  и  Держа́вы  нача́ле,  мир  Твой  сохрани́,  мир  подаю́щи.

И  ныне:  Иску́са  ника́коже  ве́дущи  му́жеска,  Де́во,  безсе́менно  ражда́еши  Младе́нца,  чи́сто  но́сиши  рожде́ние,  ми́ра  Творца́  Христа́  Бо́га,  Того́  моли́  умири́ти  вся́ческая.

Спаси́  от  бед  раби́  Твоя́,  Влады́ко  Многоми́лостиве,  си́лою  Честна́го  и  Животворя́щаго  Креста́  Твоего́,  я́ко  мы  усе́рдно  к  Тебе́  прибега́ем,  ми́лостивому  Влады́це,  Го́споду  Иису́су.

1. **Песнь  3**

*Ирмос:*  Утверди́,  Влады́ко  Христе́,  Кресто́м  на  ка́мени  мя  ве́ры,  не  поколеба́тися  уму́  прило́ги  врага́  зла́го,  еди́н  бо  еси́  Свят.

Сла́ва,  Го́споди,  Кресту́  Твоему́  Честно́му.

Прииди́те,  песнь  пои́м  но́ву,  разруше́ние  а́дово  торжеству́юще;  из  гро́ба  бо  Христо́с  воскре́се,  смерть  плени́в,  и  спасе́  вся́ческая.

Сла́ва,  Го́споди,  Кресту́  Твоему́  Честно́му.

Прииди́те,  почерпе́м  ве́рнии,  не  от  исто́чника  источа́ющаго  во́ду  тле́нную,  но  от  исто́чника  просвеще́ния,  Креста́  Христо́ва  поклоне́нием,  о  не́мже  и  хва́лимся.

Сла́ва,  Го́споди,  Кресту́  Твоему́  Честно́му.

Дре́вле  его́же  прообразова́ше  Моисе́й  дла́ньма,  Крест  Твой  ны́не  облобыза́юще,  у́мнаго  Амали́ка  побежда́ем,  Влады́ко  Христе́,  и́мже  и  спаса́емся.

Сла́ва,  Го́споди,  Кресту́  Твоему́  Честно́му.

Очи́ма  и  устна́ма  чи́стыма  пою́ще  песнь  ра́дования,  Госпо́дню  Кресту́  ра́достию  поклони́мся  ве́рнии,  пле́щуще  пе́сньми.

Слава:  Еди́наго  в  трех  Ипоста́сех  Бо́га  безнача́льнаго  чту,  неразде́льнаго  существа́  зра́ком,  Отца́,  Сы́на,  и  Ду́ха  жива́го,  в  Ни́хже  крести́хомся.

И  ныне:  В  купине́  Моисе́й  Твое́  о́бразно  та́инство  дре́вле,  Чи́стая,  ви́де,  я́коже  бо  о́ныя  пла́мень,  огнь  Божества́  Твою́  утро́бу  не  опали́.

Спаси́  от  бед  раби́  Твоя́,  Влады́ко  Многоми́лостиве,  си́лою  Честна́го  и  Животворя́щаго  Креста́  Твоего́,  я́ко  мы  усе́рдно  к  Тебе́  прибега́ем,  ми́лостивому  Влады́це,  Го́споду  Иису́су.

Го́споди  поми́луй.  *(Трижды*.)

1. **Седален,  глас  6**

Крест  Твой,  Го́споди,  освяти́ся,  в  нем  бо  быва́ют  исцеле́ния  боля́щим  во  гресе́х;  и́мже  Тебе́  припа́даем,  поми́луй  нас.

Днесь  проро́ческое  испо́лнися  сло́во:  се  бо  покланя́емся  на  ме́сто,  иде́же  стоя́сте  но́зе  Твои́,  Го́споди.  И  Дре́ва  спасе́ния  вкуси́вше,  грехо́вных  страсте́й  свобо́ду  улучи́хом,  моли́твами  Богоро́дицы,  еди́не  Человеколю́бче.

Слава:  То́кмо  водрузи́ся  Дре́во,  Христе́,  Креста́  Твоего́,  основа́ния  поколеба́шася  сме́рти,  Го́споди;  его́же  бо  поглоти́  жела́нием  ад,  отпусти́  тре́петом.  Яви́л  еси́  нам  спасе́ние  Твое́,  Святы́й,  и  славосло́вим  Тя,  Сы́не  Бо́жий,  поми́луй  нас.

И  ныне:  Богоро́дице  Де́во,  моли́  Сы́на  Твоего́,  пригво́ждшагося  во́лею  на  Кресте́  и  воскре́сша  из  ме́ртвых,  Христа́  Бо́га  на́шего,  спасти́ся  душа́м  на́шим.

1. Песнь  4

*Ирмос:*  На  Кресте́  Тя,  Си́льне,  свети́ло  вели́кое  ви́дев,  тре́петом  взя́тся,  лучи́  сопря́тав  скры,  вся  же  тварь  воспе́  со  стра́хом  Твое́  долготерпе́ние,  и́бо  испо́лнися  земля́  Твоего́  хвале́ния.

Сла́ва,  Го́споди,  Кресту́  Твоему́  Честно́му.

Се  воскре́се  Христо́с,  мироно́сицам  жена́м  Ангел  рече́:  не  рыда́йте,  ше́дше  рцы́те  апо́столом:  ра́дуйтеся,  днесь  спасе́ние  ми́ру,  мучи́тельство  врага́  сме́ртию  разруши́ся.

Сла́ва,  Го́споди,  Кресту́  Твоему́  Честно́му.

Живоно́снаго  Твоего́  Креста́,  покло́нную  ра́дость  днесь,  Христе́,  срета́юще,  предсре́тение  твори́м  всесвяты́я  стра́сти  Твоея́,  ю́же  во  спасе́ние  ми́ра  соде́лал  еси́,  Спа́се,  я́ко  всеси́лен.

Сла́ва,  Го́споди,  Кресту́  Твоему́  Честно́му.

Днесь  быва́ет  ра́дость  на  небеси́  и  на  земли́,  я́ко  Христо́во  зна́мение  ми́ру  явля́ется  Крест  треблаже́нный;  сей  бо  предложе́н  быв,  источа́ет  кла́няющимся  ему́  ра́дость  приснотеку́щую.

Сла́ва,  Го́споди,  Кресту́  Твоему́  Честно́му.

Что  Ти  принесе́м,  Христе́,  я́ко  Честно́му  Кресту́  дал  еси́  нам  поклони́тися,  на  не́мже  всесвята́я  Кровь  Твоя́  излия́ся,  иде́же  и  Плоть  Твоя́  гвоздьми́  водрузи́ся,  его́же  облобыза́юще,  ны́не  благодари́м  Тя.

Слава:  Еди́наго  Божества́  пою́  три  Ипоста́си,  неразде́льно,  есте́ственне  про́сто  пропове́дая,  Отца́  безнача́льна,  Сы́на,  и  Ду́ха  Свята́го  сопресто́льна,  Госпо́дство  еди́но,  и  еди́но  Ца́рство,  еди́ну  Держа́ву  присносу́щную.

И  ныне:  Еди́на  в  жена́х  яви́лася  еси́  вещь  пречу́дна,  Чи́стая,  слы́шание  стра́шное;  естество́  бо  Ты  обнови́ла  еси́,  без  се́мене  ро́ждши,  пребыва́ющи  па́ки  я́коже  пре́жде  Де́ва;  роди́выйся  бо  из  Тебе́,  Бог  есть  и́стинный.

Спаси́  от  бед  раби́  Твоя́,  Влады́ко  Многоми́лостиве,  си́лою  Честна́го  и  Животворя́щаго  Креста́  Твоего́,  я́ко  мы  усе́рдно  к  Тебе́  прибега́ем,  ми́лостивому  Влады́це,  Го́споду  Иису́су.

1. **Песнь  5**

*Ирмос:*  Утренююще  Тя  воспева́ем,  Спа́се  Ще́дре,  мир  обре́тше  Кресто́м  Твои́м,  и́мже  обнови́л  еси́  род  челове́ческий,  ко  све́ту  невече́рнему  вводя́  нас.

Сла́ва,  Го́споди,  Кресту́  Твоему́  Честно́му.

Возсия́л  еси́  от  гро́ба,  незаходи́мый  Све́те,  ми́ру  облиста́я  нетле́ние,  потреби́л  еси́,  Го́споди,  сме́ртный  плач  от  коне́ц,  я́ко  благоутро́бен.

Сла́ва,  Го́споди,  Кресту́  Твоему́  Честно́му.

Присту́пим  очище́ннии  воздержа́нием,  те́пле  облобыза́юще  во  хвале́нии  Дре́во  всесвято́е,  на  не́мже  Христо́с  распина́емь,  спасе́  мир,  я́ко  благоутро́бен.

Сла́ва,  Го́споди,  Кресту́  Твоему́  Честно́му.

Лику́ют  вси  а́нгельстии  чи́ни  днесь  Креста́  Твоего́  поклоне́нием,  тем  бо  низложи́л  еси́  бесо́вския  полки́,  спасы́й,  Христе́,  челове́чество.

Сла́ва,  Го́споди,  Кресту́  Твоему́  Честно́му.

Рай  други́й  позна́ся  Це́рковь,  я́коже  пре́жде  Дре́во  иму́щая  живоно́сное,  Крест  Твой,  Го́споди,  из  него́же  прикоснове́нием  безсме́ртию  причасти́хомся.

Слава:  Собезнача́льны  Три  сла́влю,  еди́наго  существа́:  Бо́га  Отца́,  Сы́на,  и  Ду́ха,  Свет  еди́н  трисия́тельный,  ку́пно  держа́вное  Ца́рство,  в  неслия́ннем  то́ждестве.

И  ныне:  Родила́  еси́  естества́  зако́ном,  но  па́че  зако́на;  Тебе́  бо  еди́ныя  безсе́менно  рождество́,  стра́шный  и  помышля́емый  нрав,  и  глаго́лемый  рожде́ния  Твоего́,  Всенепоро́чная.

Спаси́  от  бед  раби́  Твоя́,  Влады́ко  Многоми́лостиве,  си́лою  Честна́го  и  Животворя́щаго  Креста́  Твоего́,  я́ко  мы  усе́рдно  к  Тебе́  прибега́ем,  ми́лостивому  Влады́це,  Го́споду  Иису́су.

1. **Песнь  6**

*Ирмос:*  Образ  Боже́ственнаго  Креста́,  Ио́на  во  чре́ве  ки́тове  просте́ртыма  дла́ньма  проначерта́,  и  взира́ше  спасе́н  от  зве́ря  си́лою  Твое́ю,  Сло́ве.

Сла́ва,  Го́споди,  Кресту́  Твоему́  Честно́му.

Воскре́сл  еси́,  смерть  упраздни́в,  Христе́,  я́коже  вели́кий  Царь,  от  а́довых  сокро́вищ  воззва́л  еси́  нас  в  наслажде́ние  Ца́рства  Небе́снаго,  в  зе́млю  безсме́ртия.

Сла́ва,  Го́споди,  Кресту́  Твоему́  Честно́му.

Пле́щуще  пе́сньми  Боже́ственными,  ве́рнии,  воскли́кнем  Бо́гу,  Крест  Госпо́день  целу́юще;  освяще́ния  бо  источа́ет  исто́чник  всем  су́щим  в  ми́ре.

Сла́ва,  Го́споди,  Кресту́  Твоему́  Честно́му.

Исполня́ется  песнописа́тельный  глас:  се  бо  покланя́емся  пречи́стых  ног  Твои́х  подно́жию,  Всеси́льне,  Кресту́  Твоему́  Честно́му,  тривожделе́нному  Дре́ву.

Сла́ва,  Го́споди,  Кресту́  Твоему́  Честно́му.

Еже  ви́де  дре́во  в  Твой  хлеб  вложе́ное,  во  проро́цех  рыда́тель,  Крест  Твой,  Ще́дре,  облобыза́юще,  воспева́ем  Твоя́  у́зы,  и  погребе́ние,  копие́  же  и  гво́здия.

Сла́ва,  Го́споди,  Кресту́  Твоему́  Честно́му.

На  ра́мех  его́же  изво́лил,  Христе́,  носи́ти  святы́й  Крест,  и  на  сем  вознести́ся,  и  распя́тися  пло́тию,  облобыза́юще  собира́ем  кре́пость  на  враги́  неви́димыя.

Слава:  Еди́ницу  в  трех  начерта́ниих  пою́,  и  Тро́ицу  во  еди́ном  естестве́  покланя́емую,  Бо́га  Тро́е  ку́пно,  свет  трисо́лнечный,  Отца́,  и  Сы́на,  и  Свята́го  Ду́ха.

И  ныне:  Чуде́с  вели́кое  чу́до  в  Тебе́  яви́ся,  нескве́рная  Агнице,  взе́млющаго  бо  ми́ра  грех,  Агнца  родила́  еси́.  Его́же  моли́  приле́жно  о  пою́щих  Тя.

Спаси́  от  бед  раби́  Твоя́,  Влады́ко  Многоми́лостиве,  си́лою  Честна́го  и  Животворя́щаго  Креста́  Твоего́,  я́ко  мы  усе́рдно  к  Тебе́  прибега́ем,  ми́лостивому  Влады́це,  Го́споду  Иису́су.

Го́споди  поми́луй.  *(Трижды.)*  Слава,  и  ныне.

1. **Кондак,  глас  7**

Не  ктому́  пла́менное  ору́жие  храни́т  врат  Еде́мских,  на  ты́я  бо  на́йде  пресла́вный  соу́з  Дре́во  Кре́стное,  сме́ртное  жа́ло,  и  а́дова  побе́да  прогна́ся.  Предста́  бо  еси́,  Спа́се  мой,  вопия́  су́щим  во  аде:  вни́дите  па́ки  в  рай.

1. **Икос**

Три  кресты́  водрузи́  на  Голго́фе  Пила́т,  два  разбо́йников,  и  еди́н  Жизнода́вца.  Его́же  ви́де  ад,  и  рече́  су́щим  до́ле:  о  слу́ги  мои́,  и  си́лы  моя́!  Кто  водрузи́в  гво́здие  в  се́рдце  мое́,  древяны́м  мя  копие́м  внеза́пу  прободе́?  И  растерза́юся,  вну́тренними  мои́ми  болю́,  утро́бою  уязвля́юся,  чу́вства  моя́  смуща́ют  дух  мой,  и  понужда́ются  изрыга́ти  Ада́ма,  и  су́щия  от  Ада́ма,  дре́вом  да́нныя  ми;  Дре́во  бо  сия́  вво́дит  па́ки  в  рай.

1. **Песнь  7**

*Ирмос:*  Из  пла́мене  о́троки  избавле́й,  плоть  прии́м  прише́л  еси́  на  зе́млю,  и  на  Кресте́  пригвожде́н,  спасе́ние  нам  дарова́л  еси́,  Христе́,  еди́н  благослове́н  отце́в  Бо́же  и  препросла́влен.

Сла́ва,  Го́споди,  Кресту́  Твоему́  Честно́му.

Воскре́сл  еси́  из  гро́ба  тридне́вно,  я́ко  спяй,  Го́споди,  а́довы  вра́тари  порази́в  Боже́ственною  си́лою,  и  дре́вния  воздви́г  пра́отцы,  еди́не  благослове́нный  отце́в  Бо́же  и  препросла́вленный.

Сла́ва,  Го́споди,  Кресту́  Твоему́  Честно́му.

Цевни́цею  пе́сней  лику́юще  возра́дуемся  днесь  лю́дие,  кре́стным  поклоне́нием  на  сем  пригвозди́вшагося  Христа́  сла́вяще,  еди́наго  благослове́ннаго  отце́в  Бо́га  и  препросла́вленнаго.

Сла́ва,  Го́споди,  Кресту́  Твоему́  Честно́му.

Показа́вый  умерщвле́ния  орга́н,  жи́зни  де́лателище,  ми́ру  облобыза́тельное,  Твой  Крест,  Всеще́дре,  тому́  покланя́ющияся  освяти́,  еди́не  благослове́нный  отце́в  Бо́же  и  препросла́вленный.

Сла́ва,  Го́споди,  Кресту́  Твоему́  Честно́му.

Еди́не  ми́лостиве  и  благоутро́бне,  просвети́,  освяти́,  еди́не  Иису́се,  покланя́ющияся  ве́рно  Твоему́  Кресту́,  и  Боже́ственным  страда́нием,  еди́не  благослове́нный  отце́в  Бо́же  и  препросла́вленный.

Слава:  Еди́ницу  в  трех  Ипоста́сех,  пою́  Божество́:  Свет  бо  Оте́ц,  Свет  Сын,  Свет  Дух,  Све́ту  неразде́льну  пребыва́ющу,  еди́нством  есте́ственным,  и  треми́  луча́ми  лиц  сия́ющу.

И  ныне:  Всех  проро́к  многоимени́тое  Ты  еси́  пропове́дание,  врата́  бо  Бо́жия,  ру́чка  злата́я,  земля́  свята́я,  яви́лася  еси́,  Де́во  Богоневе́стная,  ро́ждшая  пло́тию  Иису́са  Христа́,  отце́в  Бо́га,  и  препросла́вленна.

Спаси́  от  бед  раби́  Твоя́,  Влады́ко  Многоми́лостиве,  си́лою  Честна́го  и  Животворя́щаго  Креста́  Твоего́,  я́ко  мы  усе́рдно  к  Тебе́  прибега́ем,  ми́лостивому  Влады́це,  Го́споду  Иису́су.

1. **Песнь  8**

*Ирмос:*  Ру́це  в  ров  ве́рженый  львов,  иногда́  вели́кий  во  проро́цех,  крестообра́зно  просте́р  Дании́л,  неврежде́н  от  сих  сне́ди  спасе́ся,  благословя́  Христа́  Бо́га  во  ве́ки.

Сла́ва,  Го́споди,  Кресту́  Твоему́  Честно́му.

Ми́ро  в  рука́х  что  держите́  вся́ко?  Кого́  же  взыску́ете?  Ны́не  явле́йся  ю́ноша  во  гро́бе,  вопия́:  воскре́се  Христо́с  и  Бог  наш,  возста́вивый  естество́  челове́ков  от  а́довых  сокро́вищ.

Сла́ва,  Го́споди,  Кресту́  Твоему́  Честно́му.

Ра́дуйся,  требога́тое  Дре́во  и  Боже́ственное,  Кре́сте,  све́те  су́щим  во  тьме,  четвероконе́чный  мир  сия́нием  Твои́м,  воста́ния  Христо́ва  проявле́й  зари́,  сподо́би  вся  ве́рныя  дости́гнути  Па́сху.

Сла́ва,  Го́споди,  Кресту́  Твоему́  Честно́му.

В  сий  день  благоуха́ют  ми́ра  Боже́ственныя  мирополо́жницы,  живоми́рственное  Дре́во,  Крест  Христо́в;  обоня́им  его́  Богодухнове́нныя  вони́,  тому́  покланя́ющеся  ве́рно  во  ве́ки.

Сла́ва,  Го́споди,  Кресту́  Твоему́  Честно́му.

Гряди́,  Елисе́е  проро́че,  рцы  я́ве,  что  Дре́во  о́ное,  е́же  в  во́ду  вложи́л  еси́?  Крест  Христо́в,  и́мже  от  глубины́  тли  извлеко́хомся,  тому́  покланя́ющеся  ве́рно  во  ве́ки.

Сла́ва,  Го́споди,  Кресту́  Твоему́  Честно́му.

Дре́вле  Иа́ков  прообразу́я  Крест  Твой,  Христе́,  Ио́сиф  покланя́шеся  Боже́ственнаго  жезла́  кра́еви,  скиптр  сей  стра́шный  Ца́рствия  Твоего́  предви́дев;  ему́же  ны́не  покланя́емся  ве́рно  во  ве́ки.

Слава:  Еди́но  в  трех  начерта́ниих  существо́  сла́вя,  не  слива́ю  единоли́чно  трех,  ниже́  пресеца́ю  зра́ка,  Отца́,  и  Сы́на,  со  Ду́хом;  еди́н  бо  над  все́ми  Бог  в  Тро́ице.

И  ныне:  Еди́на  в  ма́терех  яви́лася  еси́,  Де́ва  Богоневе́сто  Мари́е,  без  му́жа  роди́вши  Христа́  Спа́са,  чистоты́  зна́мение  сохрани́вши;  Тебе́  ублажа́ем  ве́рнии  во  ве́ки.

Спаси́  от  бед  раби́  Твоя́,  Влады́ко  Многоми́лостиве,  си́лою  Честна́го  и  Животворя́щаго  Креста́  Твоего́,  я́ко  мы  усе́рдно  к  Тебе́  прибега́ем,  ми́лостивому  Влады́це,  Го́споду  Иису́су.

1. **Песнь  9**

*Ирмос:*  О  Ма́ти  Де́во  и  Богоро́дице  нело́жная,  ро́ждшая  безсе́менно  Христа́  Бо́га  на́шего,  на  Крест  возне́сшагося  пло́тию,  Тя  ве́рнии  вси  досто́йно  с  Ним  ны́не  велича́ем.

Сла́ва,  Го́споди,  Кресту́  Твоему́  Честно́му.

Во  гроб  соше́л  еси́,  Жизнода́вче  и  Бо́же,  и  сокруши́л  еси́  вся  закле́пы  же  и  вереи́,  и  ме́ртвыя  воскреси́л  еси́,  сла́ва  воста́нию  Твоему́,  вопию́щия,  Христе́  Спа́се  Всеси́льне.

Сла́ва,  Го́споди,  Кресту́  Твоему́  Честно́му.

Гроб  Твой  жизнь  мне,  Христе́,  источи́,  содержа́й  бо  жизнь,  предста́в  возопи́л  еси́  живу́щим  во  гробе́х:  су́щий  во  у́зах,  разреши́теся,  Аз  бо  ми́ра  избавле́ние  приидо́х.

Сла́ва,  Го́споди,  Кресту́  Твоему́  Честно́му.

Пе́сньми  да  взыгра́ют  вся  древа́  дубра́вная,  тезоимени́тое  Дре́во  Креста́  зря́ще  облобыза́мое  днесь;  на  не́мже  Христо́с  вознесе́  главу́,  я́коже  проро́чествует  Боже́ственный  Дави́д.

Сла́ва,  Го́споди,  Кресту́  Твоему́  Честно́му.

Дре́вом  уме́рый,  Дре́во  Тя  обрето́х  жи́зни,  Христоно́сне  Кресте́  мой,  хранит́елю  мой  неруши́мый,  на  де́моны  кре́пкая  держа́во,  тебе́  покланя́яйся  днесь  зову:  освяти́  мя  сла́вою  твое́ю.

Сла́ва,  Го́споди,  Кресту́  Твоему́  Честно́му.

Весели́ся,  ра́дуйся  Це́рковь  Бо́жия,  Дре́ву  требога́тному  покланя́ющися  днесь,  всесвята́го  Креста́  Христо́ва,  ему́же  слу́жат  чи́нове  а́нгельстии,  и  со  стра́хом  предстоя́т.

Слава:  Тро́ице  ли́цы,  Еди́нице  естество́м  покланя́юся,  Тебе́,  Божество́  свято́е,  Отцу́,  и  Сы́ну,  со  Святы́м  же  Ду́хом,  еди́ному  Нача́лу,  еди́ному  Ца́рству,  все́ми  влады́чествующему.

И  ныне:  Гора́  вели́кая,  в  ню́же  всели́ся  Христо́с,  Ты  яви́лася  еси́,  Де́во,  я́коже  Боже́ственный  Дави́д  вопие́т;  Еюже  мы  вознесо́хомся  к  небеси́,  всыни́вшеся  Ду́хом,  Всеблаже́нная.

Спаси́  от  бед  раби́  Твоя́,  Влады́ко  Многоми́лостиве,  си́лою  Честна́го  и  Животворя́щаго  Креста́  Твоего́,  я́ко  мы  усе́рдно  к  Тебе́  прибега́ем,  ми́лостивому  Влады́це,  Го́споду  Иису́су.